Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com
उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस
सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ
हल्द्वानी | वर्ष 19 अंक 128 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | मंगलवार, 10 नवंबर 2026
राज्य स्थापना दिवस हर्षोल्लास के...पेज-4 पर

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में मंगलवार
सायं 5:19 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में बुधवार
सुबह 6:21 बजे

News कॉर्नर

पहाड़ों का गिरेगा पारा, मैदान में सुबह-शाम ठंड

देहरादून। जलवायु परिवर्तन और मौसम के बदले पैटर्न का सीधा असर उत्तराखंड के तापमान में देखने को मिल रहा है। अक्टूबर के आखिरी दिनों में हुई बारिश-बर्फबारी का भले नवंबर के पहले सप्ताह के कुछ दिनों में असर देखने को मिला लेकिन बीते कुछ दिनों में मैदान से पहाड़ तक का तापमान सामान्य के आसपास दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में हल्की बारिश व बर्फबारी का अनुमान है। ऐसे में पहाड़ों के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। जबकि मैदानी इलाकों में फिलहाल सुबह-शाम ही ठंड का अहसास होगा। केंद्र ने आज 10 नवंबर के लिए उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि 3300 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने का भी अनुमान है। फिलहाल 14 नवंबर तक प्रदेश भर में मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहेगा।

आज शीतकाल के लिए बंद होंगे गंगोत्री मंदिर के कपाट

देहरादून। चारधाम यात्रा अपने समापन की ओर बढ़ रही है। गंगोत्री धाम के कपाट आज बंद हो जाएंगे। इसके शीतकाल में मुखबा में मां गंगा की पूजा-अर्चना होगी।

चारधाम यात्रा के तहत आज मंगलवार को गंगोत्री धाम के कपाट विधि विधान से शीतकाल के लिए बंद होंगे। शुभ मुहूर्त के अनुसार दोपहर को मंदिर के कपाट बंद किए जाएंगे। शीतकाल के दौरान मां गंगा की पूजा अर्चना मुखबा में होगी। 19 अप्रैल 2026 को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हुआ था। परंपरा के अनुसार गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट के दिन बंद किए जाते हैं। 10 नवंबर को दोपहर में मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। मां गंगोत्री की डोली मुखबा के लिए रवाना होगी। 11 नवंबर को भैया दूज के दिन बाबा केदार व यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होंगे।

उत्तराखंड स्थापना दिवस: पीएम मोदी ने सीएम धामी को पत्र भेज दी बधाई

देहरादून
हमारे संवाददाता

उत्तराखंड के 26वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर प्रदेश की विकास यात्रा और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने लिखा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। पत्र में चारधाम परियोजना, रेल और हवाई कनेक्टिविटी से लेकर सीमावर्ती गांवों के विकास तक का उल्लेख किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस पत्र में प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के साथ अपने पुराने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए



राज्य की विकास यात्रा की सराहना की। उन्होंने लिखा कि कुछ वर्ष पहले बाबा केदार के चरणों में उन्होंने कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। आज यहां के लोगों का परिश्रम और संकल्प उस विश्वास को साकार कर रहा है। प्रधानमंत्री ने पत्र में कहा कि उत्तराखंड की डबल इंजन सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र के समान विकास के लिए काम कर रही है। राज्य की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर में एक दशक के दौरान काफी विस्तार हुआ है।

उत्तराखंडः सीएम धामी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

उत्तराखंड में विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में हुए कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी है। उन्होंने पत्र के माध्यम से राज्य में हो रहे बदलावों और विभिन्न क्षेत्रों में बन रही नई पहचान का जिक्र किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनके मार्गदर्शन और सहयोग से उत्तराखंड में हुए विकास कार्यों और जनकल्याण से जुड़ी उपलब्धियों की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा है कि उत्तराखंड आज एक प्रमुख पर्यटन स्थल, उद्योगों के अनुकूल राज्य और तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने लिखा है कि इस नए उत्तराखंड में समाज के हर वर्ग के कल्याण और प्रगति का रास्ता तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं। राज्य अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए विकास, रोजगार, पर्यटन और निवेश के नए अवसरों का सृजन कर रहा है।

एएसपी नेता बोले-जेनी ने खुद बताई थी बेटे की सच्चाई

जेनी प्रकरण: हरक के आरोप पर सामने आईं पूर्व विधायक

देहरादून
हमारे संवाददाता

जेनी प्रकरण में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत के आरोपों के बाद अब पूर्व विधायक विजय बड़थ्वाल और आजाद समाज पार्टी के नेता योगेंद्र चौहान ने अपना पक्ष रखा है। वहीं, जेनी ने वीडियो जारी कर चौहान के दावों को खारिज करते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

हरक सिंह रावत के टिप्पणी करने के बाद सोमवार को पूर्व विधायक विजय बड़थ्वाल भी सामने आ गईं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका हरक या जेनी से कोई लेन-देन नहीं है। वहीं, आजाद समाज पार्टी नेता योगेंद्र चौहान ने दावा किया कि जेनी ने उन्हें खुद बताया था कि बेटा हरक का नहीं है। उधर, चौहान के आरोपों को जेनी ने वीडियो जारी कर सिरे से खारिज करते हुए कई अन्य गंभीर आरोप लगाए हैं। जेनी प्रकरण में नाम उछलने के बाद पूर्व विधायक विजय बड़थ्वाल भी सामने आ गईं। सोमवार



को उन्होंने मीडिया के समक्ष विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि उनका हरक या जेनी से कोई लेना-देना नहीं है। हां, यह ओछी राजनीति तत्काल बंद होनी चाहिए। पूर्व विधायक बड़थ्वाल ने कहा कि हरक सिंह रावत जैसे जिम्मेदार नेता की ओर से की गई टिप्पणी निंदनीय है। उनका यह आरोप पूरी तरह निराधार है कि मैंने और आशा नौटियाल ने जेनी को हरक के खिलाफ उकसाया था। उन्होंने कहा कि वह बार-बार हम दोनों पर मानहानि करने की धमकी देते हैं तो हरक को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना चाहिए कि मैंने आखिर ऐसा क्या किया, जिससे उनकी मानहानि या छवि खराब हुई हो।

समिति जेनी से मिलने नारी निकेतन गईं थी

आगे बड़थ्वाल ने कहा कि अपने कई वर्षों के राजनीतिक सफर में बतौर विधायक, मंत्री, विस उपाध्यक्ष, महिला आयोग अध्यक्ष के रूप में मेरा राजनीतिक कॅरिअर बेदाग रहा है। जब यह प्रकरण सामने आया था, तब कांग्रेस की सरकार थी। हरक मंत्री थे। तत्कालीन विस अध्यक्ष यशपाल आर्य ने काशी सिंह ऐरी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था।

गैस गोदाम रोड पर फर्नीचर की दुकान में भीषण आग, इलाके में मची अफरा-तफरी

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

शहर में आग की लपटों ने एक बार फिर दहशत फैला दी। आरटीओ चौकी क्षेत्र के छड़ायल नयाबाद स्थित गैस गोदाम रोड पर एस मोड़ के पास सोमवार शाम एक बड़ी फर्नीचर की दुकान धधक उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग तत्काल हरकत में आया और कुछ ही देर में अग्निशमन कर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया।

आग की सूचना मिलते ही फायर विभाग ने महज एक मिनट के भीतर पहली अग्निशमन यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना कर दी। आग की गंभीरता को देखते हुए रामलीला मैदान ऊंचापुल में तैनात नजदीकी फायर यूनिट को भी तत्काल मौके पर भेजा गया। इसके अलावा एक अन्य अग्निशमन वाहन भी घटनास्थल पर पहुंच गया।

फायर हाइड्रेंट खुलवाकर शुरू किया अभियान: सीएफओ गौरव किरार के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। घटनास्थल के नजदीक स्थित फायर हाइड्रेंट को तत्काल खुलवाया



गया, ताकि आग बुझाने के अभियान में पानी की कमी न हो। तीन दमकल गाड़ियों और अग्निशमन कर्मियों ने लगातार मोर्चा संभाले रखा। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

जनहानि नहीं, नुकसान का आकलन जारी: राहत की बात यह रही कि अग्निकांड में फिलहाल किसी जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि, आग से दुकान में कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन अभी किया जा रहा है। आग लगने के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई और अतिरिक्त फायर यूनिट की समय पर तैनाती से आग को नियंत्रित करने में सफलता मिली।

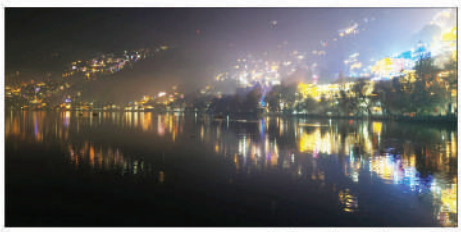
कल भैया दूज पर अमृत सिद्धि योग का विशेष संयोग बनेगा

नैनीताल।
हमारे संवाददाता

भैया दूज का पर्व इस बार 11 नवंबर बुधवार को मनाया जाएगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग का विशेष संयोग बन रहा है। ज्योतिषाचार्य पंडित प्रकाश जोशी के अनुसार, भैया दूज पर द्वितीया तिथि शाम 3:54 बजे तक रहेगी। अनुराधा नक्षत्र सुबह 11:38 बजे तक रहेगा। वहीं चंद्रमा पूरे दिन वृश्चिक राशि में रहेंगे।

उन्होंने बताया कि सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सुबह 6:37 बजे से 11:38 बजे तक रहेंगे। इस दौरान भाई को तिलक करने और चूड़ा पूजने का शुभ मुहूर्त रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, अच्छी सेहत और सुख समृद्धि की कामना करती हैं। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में भैया दूज पर चूड़ा पूजने की विशेष परंपरा है। इसके लिए दीपावली से तीन दिन या पांच रात पहले धान भिगोया जाता है। गोवर्धन पूजा के दिन गर्म धान को ओखल में कूटकर चूड़ा तैयार किया जाता है। भैया दूज के दिन बहनें भाइयों के सिर पर चूड़ा रखकर उनकी खुशहाली और लंबी उम्र की कामना करती हैं। भैया दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर जाते हैं। कुमाऊं में इस पर्व को दुतिया त्यार के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन सुबह स्नान और पूजा-पाठ के बाद सबसे पहले चूड़ा कुलदेवता और घर के मंदिर में चढ़ाया जाता है।

नैनीताल समेत मैदानी शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक



नैनीताल
हमारे संवाददाता

पर्यटक नगरी नैनीताल में दीपावली के बाद देश के मैदानी शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है तो सरोवर नगरी की आबोहवा सोमवार को साफ सुथरा निखरी रही। नगर में एक्यूआई 85 तो पीएम 2.5 का स्तर 22 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रहा। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार पहुंच रहा, लेकिन नैनीताल की स्थिति बेहद सुधरी रही। इसका कारण तेज हवाएं रही, जो बीती रात पटाखों से फैले प्रदूषण को अपने साथ उड़ा ले गई। हालांकि बीती रात नगर में आतिशबाजी जमकर हुई है। रात को आसमान पूरी तरह से धुएं के आगोश में रहा। पटाखों का शोर आधी रात के बाद भी सुनाई देता रहा। जिस कारण लग रहा था कि दिन में वायु प्रदूषण बढ़ जाएगा। मगर सुबह तेज हवा मेहरबान रही और दिन चढ़ने तक प्रदूषण गायब हो चुका था और आसमान नीले रंग में रंगा हुआ था। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ नरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह के समय चली तेज हवा से नगर का वातावरण साफ हो गया।

दीपावली के बाद सैलानियों की उमड़ी भीड़

नैनीताल। सरोवर नगरी में दीपावली के बाद सैलानियों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। सोमवार को शहर के होटलों के अधिकांश कमरे फुल रहे और नगर सुहावने मौसम के साथ सैलानियों से गुलजार नजर आया।

पिछले कुछ सालों से दीपावली के बाद सैलानियों की आमद में खासा वृद्धि होने लगी है, जो इस बार भी जारी है। सैलानियों का आज सुबह से पहुंचना शुरू हो गया था, जो देर रात तक जारी रहा। इस बीच कुछ होटल पैक हो गए तो अन्य होटलों के अधिकांश कमरे पैक हो गए। नगर के आंतरिक पर्यटन स्थलों में बड़ी संख्या में सैलानी भ्रमण करते नजर आए। खो ब्यू, हिमालय दर्शन, वॉटरफॉल, केव गार्डन और पंत पार्क में सैलानियों से रौनक रही। मालरोड में भी चहल पहल करते सैलानी नजर आए। नौका विहार करने वाले सैलानी भी काफी संख्या में नजर आए। वॉटर फाल में झरने के साथ अठखेली करते सैलानी बड़ी संख्या में नजर आए। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 21 और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। छुट्टी होने के कारण सैलानियों का नैनीताल आने का सिलसिला जारी है।

उत्तराखण्ड शासन

सेवा सुशासन और समर्पण का पर्व

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस

9 नवम्बर

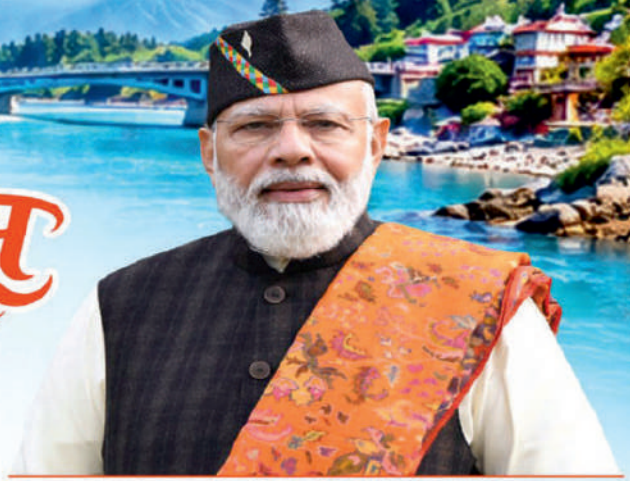
की

हार्दिक शुभकामनाएँ



“उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश की देवतुल्य जनता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हम विकसित उत्तराखण्ड के संकल्प को साकार करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, राज्य स्थापना दिवस पर हम सभी एकजुट होकर अपने सपनों का उत्तराखण्ड बनाने का संकल्प लें।”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड



“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

देवभूमि उत्तराखण्ड

विरासत का गौरव, विकास का विश्वास और आत्मनिर्भर भविष्य का संकल्प।

स्वास्थ्य और शिक्षा

सुशासन और ऐतिहासिक निर्णय

- स्वतंत्र भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य।
- सशक्त भू-कानून, सख्त धर्मांतरण विरोधी एवं दंगारोधी कानून लागू।
- नकल विरोधी कानून से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता।
- राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी नौकरियों में 10% और महिलाओं को 30% क्षैतिज आरक्षण।

युवा शक्ति और रोजगार

- 5 वर्षों में 35,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी।
- मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से 38,550 से अधिक लाभार्थी।
- 3.10 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी।
- अग्निवीरों को समूह-ग की वर्दीधारी सेवाओं में 10% क्षैतिज आरक्षण।

निवेश और आर्थिक प्रगति

- ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एमओयू।
- ₹1 लाख करोड़ से अधिक निवेश की ग्राउंडिंग।
- हाउस ऑफ हिमालयाज की बिक्री ₹6 करोड़ के पार।
- 1,027 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन।

- 63.32 लाख आयुष्मान कार्ड जारी।
- 17.36 लाख से अधिक मरीजों को ₹3,717 करोड़ से अधिक का कैशलेस उपचार।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य।
- किच्छा एम्स सैटेलाइट सेंटर का 85% निर्माण कार्य पूर्ण।

विकास भी, विरासत भी



पर्यटन और कनेक्टिविटी

- सोनप्रयाग-केदारनाथ और गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाओं का शिलान्यास।
- ₹11,963 करोड़ की लागत से दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का लोकार्पण।
- चारधाम यात्रा में 63 लाख से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन।
- 6,161 होमस्टे के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा।

किसान, महिला और ग्रामीण सशक्तिकरण

- 3.10 लाख से अधिक लखपति दीदी।
- एप्पल एवं कीवी मिशन के तहत किसानों को अनुदान।
- ₹170 करोड़ की ट्राउट प्रोत्साहन योजना।
- प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से 1,860 गांव लाभान्वित।

खेल और युवा प्रतिभा

- 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड ने जीते 103 पदक।
- हल्द्वानी में राज्य का पहला खेल विश्वविद्यालय।
- लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना।



सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।
www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

News कॉर्नर

छात्र अर्नव के तलाश के लिए चलाया अभियान

नैनीताल। नैना पीक के जंगलों में लापता हुए ग्राफिक एरा कॉलेज के छात्र अर्नव सिंह की तलाश में सोमवार को भी अभियान चलाया गया, लेकिन टीमों को कोई सफलता नहीं मिली। तलाशी के लिए ड्रोन और स्नान दल की भी मदद ली गई। बिहार के मुंगेर जिले के पहरपुर निवासी अर्नव शुक्रवार को अपने तीन दोस्तों के साथ नैनीताल घूमने आया था। दोपहर करीब दो बजे सभी नैना पीक की ओर ट्रैकिंग के लिए निकले थे। शाम करीब चार बजे वापस लौटते समय अर्नव अपने दोस्तों से बिछड़ गया। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल पाया है। छात्र के लापता होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस, एसडीआरएफ, वन विभाग और दमकल की टीमों ने रात से ही तलाश शुरू कर दी थी।

कुमाऊं विवि में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

नैनीताल

हमारे संवाददाता



कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रीतेश साह ने की। इस अवसर पर केक काटकर स्थापना दिवस की खुशियां साझा की गईं तथा वक्ताओं ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के ऐतिहासिक घटनाक्रम, आंदोलनकारियों के संघर्ष और राज्य निर्माण के बाद विकास की यात्रा पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. रीतेश साह ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण एक लंबे जनसंघर्ष, जनभागीदारी और असंख्य लोगों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। राज्य निर्माण के आंदोलन में अनेक लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया और कई आंदोलनकारियों ने इसके लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि नैनीताल ने भी इस आंदोलन के दौरान स्वर्गीय प्रताप सिंह जैसे समर्पित आंदोलनकारी को खोया। उन्होंने मुजफ्फरनगर, खटीमा, मसूरी और नैनीताल सहित विभिन्न स्थानों पर राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि एक उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय का दायित्व केवल शिक्षा एवं शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य के इतिहास, सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और राज्य निर्माण के संघर्ष से जुड़ी स्मृतियों को संरक्षित रखना तथा नई पीढ़ी को इससे परिचित कराना भी है। उत्तराखंड की भावी विकास यात्रा में विश्वविद्यालयों की भूमिका ज्ञान, शोध और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि राज्य निर्माण के मूल उद्देश्यों, आंदोलनकारियों के सपनों और उत्तराखंड के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारियों को स्मरण करने का भी दिन है। इस अवसर पर अधिष्ठाता बायोमेडिकल साइंस प्रो. महेन्द्र राणा, विभागाध्यक्ष लॉ डॉ. सुरेश पाण्डे एवं अभिराम पन्त ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने उत्तराखंड की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों, शैक्षिक संभावनाओं तथा भविष्य की विकास संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रगति के लिए शिक्षा, शोध, स्थानीय संसाधनों का संवर्धन और युवाओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अंत में उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता, पूर्व विधायक एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. नारायण सिंह जंतवाल के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। डॉ. जंतवाल के निधन को राज्य एवं सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए उपस्थित लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दिवंगत व्यक्तित्वों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मोहित सनवाल ने किया। इस अवसर पर अभिराम पन्त, नीरज साह, अकरम अली, नीरज जोशी, कैलाश जोशी, जगदीश चंद, पूनम, ओमप्रकाश सगटा, शैलजा वर्मा, नवल बिनवाल, मनोज कुमार, कैलाश जोशी सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं अन्य उपस्थित रहे।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादकः
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापकः स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

गैरसैंण राजधानी की मांग पर अनशन जारी, बुद्ध पार्क में मनाया स्थापना दिवस

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

सरकारों पर लगाया राज्य आंदोलनकारियों के सपनों से विश्वासघात का आरोप



उत्तराखंड की स्थायी राजधानी गैरसैंण बनाने की मांग को लेकर बुद्ध पार्क में चल रहा अनशन 23वें दिन भी जारी रहा। खास बात यह रही कि आंदोलनकारियों ने अनशन स्थल पर ही राज्य स्थापना दिवस मनाकर सरकारों के सामने अपने सवाल रखे। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि 26 साल बाद भी उत्तराखंड अपने मूल उद्देश्यों से भटक गया है। खेती चौपट है, भ्रष्टाचार और माफियाओं का प्रभाव बढ़ा है तथा राज्य की अवधारणा कमजोर हुई है। अंकिता प्रकरण का हवाला देते हुए वीआईपी संस्कृति पर भी सवाल उठाए गए।

पीसी तिवारी ने गैरसैंण को पहाड़ की अस्मिता और संतुलित विकास का प्रतीक बताया। विनोद प्रसाद रतूड़ी ने राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को स्थायी राजधानी न बनने की वजह बताया। अमीनुर रहमान ने इसे राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के साथ विश्वासघात करार दिया। कार्तिक उपाध्याय और हरीश रावत ने विभिन्न सरकारों पर भ्रष्टाचार और राज्य के संसाधनों के दुरुपयोग के आरोप लगाए। अंत में वक्ताओं ने गैरसैंण को स्थायी राजधानी घोषित करने, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाने तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया। इस दौरान क्रमिक अनशन पर कार्तिक उपाध्याय, अमीनुर रहमान सहित कई आंदोलनकारी मौजूद रहे।

कैडेटों ने शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और खेल भावना का प्रदर्शन किया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में 7 नवंबर को इंटर-हाउस क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कैडेटों ने उत्साह के साथ हिस्सा लेते हुए अपनी शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की प्रधानाचार्या ग्रुप कैप्टन मधु सेंगर ने झंडी दिखाकर की। प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर वर्ग के कैडेटों ने हिस्सा लिया। सीनियर वर्ग के 134 कैडेटों ने करीब 10 किलोमीटर और जूनियर वर्ग के 209 कैडेटों ने करीब 5 किलोमीटर की दौड़ पूरी की। वहीं, कक्षा छह के छात्र छात्राओं के लिए करीब 2.4 किलोमीटर की विशेष दौड़ आयोजित की गई। प्रतियोगिता में केसरी हाउस ने पिछले वर्ष के विजेता सिंह हाउस को हराकर क्रॉस कंट्री ट्रॉफी अपने नाम की। सीनियर वर्ग में कैडेट गौरव नेगी और जूनियर वर्ग में कैडेट उमंग ने पहला स्थान हासिल किया। वहीं, बछेंद्री हाउस की कैडेट सृष्टि गंगवार ने भी अपनी दौड़ में पहला स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्या मधु सेंगर ने विजेता हाउस को बधाई दी और प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले अन्य कैडेटों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में स्कूल के कर्मचारियों को भी वर्षभर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से कैडेटों में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, आपसी सहयोग और खेल भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया।



राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मैराथन दौड़ का आयोजन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को जिला खेल विभाग की ओर से पंत पार्क में मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। सुबह सात बजे शुरू हुई दौड़ में विभिन्न आयु वर्गों के कुल 90 धावकों ने प्रतिभाग किया। मैराथन के माध्यम से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ ही शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया।

जिला क्रीड़ाधिकारी डॉ. निर्मला पंत ने बताया कि प्रतियोगिता में अंडर-15, अंडर-19 और ओपन महिला एवं पुरुष वर्ग के धावकों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए खिलाड़ियों को आधार कार्ड और जन्म प्रमाणपत्र की छायाप्रति लाना अनिवार्य किया गया था। विभिन्न वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को जिला खेल विभाग की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर खेल गतिविधियों के आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना और उत्तराखंड को खेल भूमि बनाने के संकल्प को आगे बढ़ाना है। इस दौरान जिला क्रीड़ाधिकारी डॉ. निर्मला पंत के साथ खेल प्रशिक्षक सुरेश पांडे, महेश फर्त्याल, महेश बिष्ट, भगवत मेर, विनय जोशी, श्याम भट्ट, गोविंद लटवाल और गौरव नयाल आदि मौजूद रहे।



राज्य आंदोलनकारियों ने भाजपा-कांग्रेस पर लगाया उपेक्षा का आरोप

बाजपुर। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस पर उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी परिषद की बैठक आयोजित की गई। संगठन ने भाजपा और कांग्रेस की सरकार पर राज्य आंदोलनकारियों और उत्तराखण्ड की जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने का आरोप लगाया।

प्रदेश प्रवक्ता बहादुर सिंह भंडारी ने कहा कि गठन के 26 साल पूरे होने के बावजूद राज्य की मूल अवधारणा अधूरी है। प्रदेश का मूल निवासी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है।

पत्रकारों और देशहित में कार्य करने वाले लोगों का दी शुभकामनाएं

नैनीताल

हमारे संवाददाता







ऑल इंडिया मीडिया क्लब उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष असद खान ने दीपावली के पावन पर्व पर पत्रकारों, समाजसेवियों और देशहित में कार्य करने वाले लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व हर किसी के जीवन में खुशियां लेकर आए और लोगों के दुख दर्द दूर हों। असद खान ने कहा कि दीपावली खुशियों, धन-वैभव और समृद्धि का पर्व है। यह त्योहार परिवारों में प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने कामना की कि देश में आपसी सद्भाव और प्रेम बना रहे तथा राष्ट्र निरंतर प्रगति करे। उन्होंने ऑल इंडिया मीडिया क्लब से जुड़े सभी पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। साथ ही फार्मा क्षेत्र से जुड़े लोगों, समाजसेवियों और देशहित में कार्य करने वाले सभी साथियों को भी दीपावली की बधाई दी। इस अवसर पर ऑल इंडिया मीडिया क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चेयरमैन एम. क्यू. मलिक और राष्ट्रीय महासचिव मनोज टंडन ने भी सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

उत्तराखंड के सपनों पर आज भी बेरोजगारी, पलायन और बदहाली का पहराः मतीन सिद्दीकी

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता



उत्तराखंड राज्य गठन के 26 वर्ष पूरे होने पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस, गोवर्धन पूजा और भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए राज्य की मौजूदा स्थिति पर तीखा सवाल खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि जिन सपनों और उम्मीदों के साथ उत्तराखंड अलग राज्य बना था, वे आज भी अधूरे हैं। जल, जंगल, जमीन, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी सवालों का समाधान नहीं हो सका है। मतीन सिद्दीकी ने कहा कि उत्तराखंड के विकास और पर्वतीय क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपने कार्यकाल में पर्वतीय क्षेत्रों की जरूरतों को देखते हुए अलग पर्वतीय विकास मंत्रालय बनाया था। दुर्गम इलाकों में विद्यालयों की स्थापना, पेयजल के लिए हैंडपंप और पिथौरागढ़ हवाई पट्टी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को आगे बढ़ाया। अलग राज्य की मांग को लेकर कौशिक समिति और बर्थवाल समिति का गठन कराने के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद से अलग राज्य का प्रस्ताव पारित कराकर केंद्र सरकार को भेजा था। उन्होंने दावा किया कि मुलायम सिंह यादव पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं को आरक्षण का लाभ दिलाने के पक्षधर थे, लेकिन तत्कालीन राजनीतिक विरोध के चलते यह पहल आगे नहीं बढ़ सकी। इससे उत्तराखंड के युवाओं को नुकसान उठाना पड़ा।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने रक्षा मंत्री रहते हुए शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनके घर पहुंचाने और राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार कराने की व्यवस्था शुरू कर ऐतिहासिक निर्णय लिया था। शहीदों के परिवारों की आजीविका और बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

उन्होंने प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि बेरोजगारी बढ़ रही है, अपराधों का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है और पहाड़ों से पलायन थमने का नाम नहीं ले रहा।